KBBS

रक्तिमा

Official Bulletin of KOTA BLOOD BANK SOCIETY, KOTA For Private Circulation Only

BLOOD DONOR LIFE SAVER April, 2013

Vol.5

अध्यक्ष की कलम से

प्रिय साथियों,

कोटा ब्लड़ बैंक सोसाइटी के 16 वें स्थापना वर्ष पर सबको हार्दिक शुभेच्छा।

कोटा में रक्त की आवश्यकता एवं वस्तुस्थिति को भांपते हुए, चुर्निन्दा समर्पित एवं सेवाभावी व्यक्तियों ने कोटा शहर में एक ब्लड़ बैंक की स्थापना का संकल्प लिया जो जरूरतमंद रोगियों को समय पर स्वच्छ रक्त उपलब्ध करवा कर, रक्त के अभाव में होने वाले दुष्परिणामों से निजात दिला सके। इसी के साथ स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने एवं थैलेसीमिया के रोकथाम जैसे प्रभावी कार्यक्रम लागू करने का निर्णय लिया, संकल्प किया। स्वैच्छिक रक्तदान के इस महाअभियान में स्वयंसेवी संस्थाओं एवं प्रतिष्ठित औद्योगिक प्रतिष्ठानों ने पूरे मनोयोग के साथ स्वैच्छिक रक्तदाताओं को रक्तदान हेतु प्रेरित किया।

सरकार के नियमों आवश्यकताओं के अनुरूप समस्त प्रकार की जांच यहां नियमित रूप से की जाती है, एवं यहां के सदस्यों एवं कर्मचारियों का व्यवहार ही सहयोग एवं प्रेमपूर्ण हो कर, यह भी कोशिश की जाती है कि प्रत्येक जरूरतमंद को उसकी आवश्यकता के अनुरूप रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके।

सफलता की ओर अग्रसर, हम आपके ब्लड़ बैंक को अन्तर्राष्ट्रीयमानक संस्थान के द्वारा प्रमाणित करवा कर यह प्रयास करेंगे कि प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति को पूर्ण रक्त अथवा उसके अवयवों की आपूर्ति सुनिश्चित हो सके।

वर्तमान विकासशील अत्याधुनिक चिकित्सकीय सेवाओं के परिपेक्ष में रक्त एवं इसके अवयवों की आवश्यकता उपरोक्त आकस्मिक अवसरों के अलावा भी जीवनदायिनी सिद्ध होती है। कोटा ब्लड़ बैंक सोसाइटी का यह वादा एवं संकल्प रहेगा कि रक्त की उपलब्धता एवं उपलब्ध संसाधनों के मदेनजर किसी भी व्यक्ति की मृत्यु रक्त के अभाव में न होने पाये।

डॉ. जे. के. सिंघवी

सचिव की कलम से

सम्मानीय सदस्यगण,

कोटा ब्लड बैंक सोसाइटी का मुखपृष्ठ रक्तिमा आपको समर्पित है।

आपकी यह संस्था दान के उस पवित्र कार्य को सच्चे मन से कर रही है जिसे हर धर्म में मानव सेवा का उच्चतम् स्तर माना गया है। संस्था के सदस्य हों या रक्त दाता हों या रक्त दान के महायज्ञ में भाग लेने वाली संस्थायें हों सभी सामुहिक रूप से इस दान के प्रकल्प में निःस्वार्थ भावना से अपने शरीर के एक भाग को दान कर के व्यक्ति राजा रंतिदेव की शिक्षा " इदम् शरीरम् परमार्थ साधनम् " को चरितार्थ करते हैं।

13 अप्रेल 1997 को प्रारम्भ होने के बाद आज आपकी यह संस्था अपनी कार्यक्षमता के पूर्ण यौवन की ओर अग्रसर है और आप सभी के समग्र प्रयासों से राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त रक्त दान से संबंधित अग्रणि संस्था के रूप में जाना जाता है।

गत् वर्ष में आपके सक्रिय सहयोग से भविष्य की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुये भवन का चिर प्रतिक्षित नवनिर्माण हुआ और कई नये उपकरण की सेवा प्रारंभ की गई जिसमें ल्यूको रिड्यस्ड रक्त तैयार करने का उपकरण एवं थैलेसिमिया की जांच करने वाले उपकरण प्रमुख हैं। परंतु आपके इस स्वप्न को अभी बहुत आगे जाना है समाज को यह संदेश देना है कि संपूर्ण हाड़ौती को स्वच्छ एवं स्वस्थ रक्त उपलब्ध कराने का जो संकल्प इस संस्था के संस्थापकों ने लिया था उसके लिये हम सभी कृतसंकल्प हैं और निरंतर प्रयासरत हैं।

स्वैच्छिक रक्तदान 65 प्रतिशत से 100 प्रतिशत करना थैलेसिमिया से पीड़ित बच्चों को पूर्ण निदान एवं सलाह उपलब्ध करवाना एवं रक्त के विभिन्न अंशों की उपलब्धता सुनिश्चित करना एवं ब्लड बैंक तकनीशियन का पाठ्यक्रम करना वर्तमान कार्यकारणी की प्राथमिकतायें हैं। इन सभी कार्यों को मूर्तरूप देने में आपका सक्रिय सहयोग अपेक्षित है।

आपने मुझे जो उत्तरदायित्व दिया है मेरा पूर्ण प्रयास होगा कि मैं आपकी अपेक्षाओं को पूर्ण करूं।

मैं आपसे मेरे कार्य की रचनात्मक आलोचना एवं सुझावों की अपेक्षा करता हूं।

सादर
डॉ. अशोक शर्मा

शिवि ने पाया स्वर्ग महान, रक्तदाता सबसे महान।

JCI Kota Rakt Kranti

Unit 969

W.C.R.E.U.

Unit 580

Terapanth Yuva Parishad

Unit 295

Shree Shyam Pariwar, Devali

Unit 183

Agarwal Panchayat, Devali

Unit 164

रक्तदाता का पुण्य महान, ईश्वर भी देता सम्मान।

Youth Club M.N. I

Unit 155

Youth Congress Kota South

Unit 150

Sadbhavna Sewa Samiti

Unit 148

Resonance

Unit 141

Maa Bharti Sr. Sec. School

Unit 131

Sabjeet Kaur Memorial Trust

Unit 134

Nayapura Vyapar Sangh

Unit 118

Jaiswal Jain Samaj

Unit 116

हर घर को है पैगाम, रक्तदाता में हो अपना नाम।

शत प्रतिशत स्वैच्छिक रक्तदान की ओर बढ़ते कदम

मानवता की पहली शर्त मानव की सेवा है। यह सेवा चाहे तन से हो, मन से हो अथवा धन से, किसी भी साधन से की गई हो वह सेवा जिससे पीड़ित मानव को पीड़ा से मुक्ति मिले। विश्व के इतिहास में मानव जीवन की रक्षा के लिए जो अभुतपूर्व, कल्याणकारी महान सेवा प्रवृति है वह है रक्त का दान।

स्वैच्छिक रक्तदान अतिआवश्यक है क्योकि रक्त कोष में रक्त की उपलब्धता द्वारा विभिन्न जरूरतमंद व्यक्तियों को रक्त की पूर्ति करते हैं। रोगी की विशेष स्थितियों में खुन चढ़ाना बहुत आवयश्यक ही नहीं बल्कि जीवन की रक्षा के लिए अबाध्य हो जाता है। जैसे आकस्मिक दुर्घटना। दुर्घटना के फलस्वरूप कभी कभी अधिक मात्रा में रक्त की हानि हो जाती है तो उसकी आपूर्ति यदि सही समय पर नहीं की जाए तो रोगी की जिन्दगी खतरे में पड़ जाती हैं इसी प्रकार प्रसव व उसकी कुछ विशेष स्थितियों में भी बहुत खुन निकल जाता है एवं शल्य चिकित्सा के दौरान भी रक्त की हानि होती है। इसके अतिरिक्त कई रोगों में रक्त का निर्माण भी कम हो जाता है जैसे एप्लास्टिक एनिमिया और कैन्सर जैसे भयानक रोगों में। इसके बाद उन स्थितियों में जहां रक्त बनता तो है परन्तु वह शरीर में ही जल्दी नष्ट हो जाता है जैसे थैलेसीमिया, हेमोलाइटिक एनीमिया आदि।

मानव रक्त का कोई विकल्प नहीं है अतः आपूर्ति सिर्फ मानवीय सहयोग से ही संभव है। खून की सबसे बड़ी समस्या है इसे 35 दिनों से अधिक सुरक्षित नहीं रखा जा सकता। इसी कारण न तो एक ही बार में अधिकाधिक रक्तदान कराया जा सकता है और नहीं एक ही प्रकार का रक्त सभी जरूरतमंद के काम आ सकता है। जिस व्यक्ति का जैसा रक्त समूह है उसे उसी समूह का रक्त चढ़ाया जाता है। इसी कारण ब्लड़ बैंक में हर बार किसी न किसी ब्लड़ ग्रुप की कमी बनी रहती है।

इस समस्या का एकमात्र हल है कि प्रत्येक परिवार में से कम से कम एक व्यक्ति वर्ष में एक बार रक्तदान अवश्य करे। अपने परिजनों की आपात स्थिति में पहली यूनिट स्वयं दे और आवश्यकता होने पर दूसरी यूनिट की व्यवस्था स्वैच्छिक रक्तदाता या गैर सरकारी संगठनों के माध्यम से प्राप्त करे। कई लोग रक्तदान से घबराते हैं, अतः जनजागरण के अभियान से सार्थक पहल की आवश्यकता है। रक्तदान से डरना नहीं, रक्तदान से कोई मरता नहीं। कुछ पुण्यशाली व्यक्तियों द्वारा वर्ष में एक या दो बार रक्तदान करना भी इस समस्या का हल नहीं है। रक्तदाता का पुण्य महान, ईश्वर भी देता सम्मान, सारांशत जिस दिन प्रत्येक घर से एक स्वैच्छिक रक्तदाता तैयार करने में हम सफल होंगे, उस दिन रक्तदान का संकट दूर हो जाएगा।

LASERPRINTS, KOTA PH.:0744-3204374

Kota Blood Bank Society

Kamal Kasliwal Bhawan 1, Basant Vihar, Kota Ph.: 2402020, 2402010 E-mail : kotabloodbank_97@rediffmail.com

स्वैच्छिक रक्तदान करो हर हाल, ताकि कमी से कोई न हो बेहाल।